

सिटी ACTIVITY

JAIPUR, TUESDAY, 15/05/2018 . 18

मां के साहस से ही लिखी सफलता की कहानी

सिटी रिपोर्ट |



संघर्ष को चुनौती कैसे देनी है ये मां से बेहतर कोई नहीं जानता। मां बच्चों की सफलता स्वीकार करती

है तो विफल होने पर दोगुना प्रोत्साहित करती है। शायद इसलिए कहते हैं कि मां का प्यार अनकंडीशनल होता है। इस मदर्स डे जयपुराइट्स मां के प्रति सम्मान को एक संदेश के जरिए पहुंचा रहे हैं।



मां तुम्हारे स्नेह के कारण हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। आपका आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहे और आप हमेशा हमारा मार्ग दर्शन करती रहें।

संदीप बख्शी, चांसलर जेएनयू

मां की एक सीख जो हमें हमेशा आगे बढ़ने की लिए प्रेरित करती है वो है शेयरिंग करना। वो हमेशा कहती हैं कि प्यार बांटने से बढ़ता है। अर्पित और अमित अग्रवाल डायरेक्टर्स, जेईसीआरसी



जब मैं 5वीं क्लास में था तो मां ने मुझे एक सीख दी जिससे आज मैं सफल हूँ। उन्होंने मुझे कहा कि हमेशा अपनी क्षमताओं से आगे बढ़कर मेहनत करनी चाहिए। डॉ. आर.एल. रैना, वाइस चांसलर जेकेएलयू

मां के त्याग और मेहनत से ही आज इस मुकाम पर हूँ। उनकी छत्रछाया में हर मुश्किल वक्त में आगे बढ़ना सीखा है। रविन्द्र सिंह ठक्कर, यूडीबी बिल्डर्स



कहते हैं अच्छे कर्म करने के फल पूर्वक हमें मृत्यु के बाद ईश्वर से साक्षात्कार होने का सौभाग्य मिलता है, किंतु मैं मानता हूँ की मेरा फल, मेरा ईश्वर, हर प्रातः मुझे मेरी माँ में प्रतिबिंबित होता दिखता है। डॉ. सुधांशु, ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी

भगवान हर जगह नहीं हो सकते इसलिए उन्होंने मां को बनाया। मां का प्यार मेरे लिए अनकंडीशनल है। उनका प्यार हमारे लिए अनमोल है। अजय गुप्ता, मंगलम बिल्डर्स



हमारी हर कहानी की शुरुआत मां से होती है क्योंकि जहां आपकी शुरुआत होती है उसकी वजह मां ही होती है। मां के स्नेह का कोई मोल नहीं। डॉ. अखिल अग्रवाल



ईश्वर का सबसे अच्छा वरदान है मां। जब वो पास होती हैं तो खुद को सुरक्षित महसूस करता हूँ। मेरी इच्छा है कि मां का आशीर्वाद हमेशा बना रहे। अजय मोदी, ओके प्लस बिल्डर्स



जब से मां को देखा, समझा उन्हें दिया और सेवा की प्रतिमूर्ति के रूप में पाया। स्वागत और हरसंभव सहायता उनका स्वभाव रहा। मां से ही सेवा का भाव मिला। डॉ. एम.एल. स्वर्णकार, चेयरमैन, एमजीएमयू



मां इंदिरा कौल ने हमेशा यूनिक और अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उनके 4 मंत्र- साहस, आत्मविश्वास, कमिटमेंट और कंसिस्टेंस आज भी मार्गदर्शन कर रहे हैं। मंजू शर्मा, आंत्रप्रेन्योर

